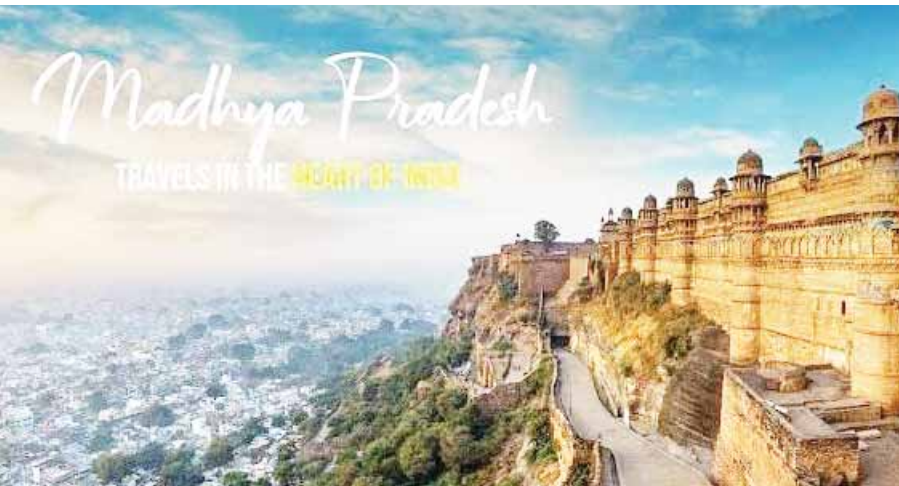


पर्यटन के नक्शे पर मध्यप्रदेश की नई छलांग

2025 में 21 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे, घरेलू आगमन 57% और विदेशी पर्यटकों की संख्या 9.10% बढ़ी

भोपाल, यश भारत ।

प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक विरासत और वन्यजीवों की विविधता के चलते मध्यप्रदेश ने वर्ष 2025 में पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाई हासिल की। प्रदेश में वर्षभर में 21 करोड़ 5 लाख 42 हजार 503 पर्यटकों का आगमन हुआ, जो 2024 के मुकाबले करीब 57 प्रतिशत अधिक है। इनमें 21 करोड़ 3 लाख 59 हजार 468 घरेलू और 1 लाख 83 हजार 35 विदेशी पर्यटक शामिल रहे। विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी 9.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पर्यटन स्थलों में उज्जैन 8 करोड़ 40 लाख से अधिक पर्यटकों के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके बाद इंदौर में 2.80 करोड़, चित्रकूट में 1.62 करोड़ और मैहर में 1.61 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे।



दतिया का रतनगढ़ मंदिर, नलखेड़ा का मां बगलामुखी मंदिर, अमरकंटक, जामसांवली और पीताम्बरा पीठ भी प्रमुख आस्था केंद्र रहे। कुल मिलाकर करीब 16.92 करोड़ श्रद्धालुओं ने प्रदेश के धार्मिक

स्थलों का भ्रमण किया। धार्मिक पर्यटन के साथ विरासत पर्यटन ने भी अपनी पहचान मजबूत की। वर्ष 2025 में करीब 59 लाख पर्यटक ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों पर पहुंचे। भोजपुर,

ग्वालियर, मांडू, खजुराहो, सांची, भीमबेटका और ओरछा प्रमुख आकर्षण रहे। अशोकनगर के पास प्राणपुर को देश का पहला क्राफ्ट हैंडलूम पर्यटन गांव विकसित किया गया है, जहां पर्यटक चंदेरी बुनकरों

की पारंपरिक कला को करीब से देख और हस्तशिल्प खरीद सकते हैं। वन्यजीव पर्यटन प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा। कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना, पेंच और सतपुड़ा सहित राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्व में करीब 17 लाख वन्यजीव पर्यटक पहुंचे। विदेशी सैलानियों में भी वन्यजीव पर्यटन की विशेष रुचि रही। प्रदेश आए विदेशी पर्यटकों में से 93,412 यानी 51 प्रतिशत से अधिक ने वन्यजीव क्षेत्रों का भ्रमण किया। बांधवगढ़ में 31390 और कान्हा में 23992 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जबकि कुनो में प्रोजेक्ट चीता के चलते 6,316 विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ। पर्यटन के नए क्षेत्रों में भी विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश के छह गांवों

को एस्ट्रो विलेज के रूप में विकसित किया जा रहा है। करीब 666 होम स्टे संचालित हैं और युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के लिए पर्यटन कौशल मिशन शुरू किया गया है। हनुवंतिया जल महोत्सव, गांधीसागर फ्लोटिंग फेस्टिवल, कुनो फॉरेस्ट फेस्टिवल और चंदेरी फेस्टिवल जैसे आयोजन साहसिक एवं अनुभव आधारित पर्यटन को बढ़ावा दे रहे हैं। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम, महेश्वर में देवी अहिल्या बाई लोक और विभिन्न पर्यटन स्थलों पर अधोसंरचना विकास के साथ हेली पर्यटन और बेहतर कनेक्टिविटी पर भी जोर दिया जा रहा है। इस तरह धार्मिक, विरासत, ग्रामीण, वन्यजीव और साहसिक पर्यटन के विस्तार से मध्यप्रदेश का पर्यटन क्षेत्र लगातार व्यापक होता जा रहा है।



मेरे सपनों का भारत में बच्चों ने उकेरी कल्पनाओं की तस्वीरें

भोपाल, यश भारत । सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को हिन्दी भवन में मेरे सपनों का भारत विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, महापौर मालती राय और विधायक भगवानदास सबनानी ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की और उन्हें आगे भी अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यती, मनोज राठौर, आरके सिंह बघेल, अशोक वाणी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन जाट सहित तीर्थ सिंह मीणा, प्रदीप शेखावत, चैतन्य भार्गव, डॉ. योगेंद्र मुखर्षी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, प्रतिभागी विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गणेश विसर्जन पर निकली आकर्षक झांकियां



आष्टा, यश भारत ।

अनंत चतुर्दशी पर आष्टा में गणेश विसर्जन चल समारोह के दौरान देर रात तक आकर्षक झांकियां निकाली गईं। करीब एक दर्जन गणेश मंडलों ने पौराणिक प्रसंगों और गौ संरक्षण पर आधारित झांकियां प्रस्तुत कीं। सिविल अस्पताल चौराहे से शुरू हुआ चल समारोह परदेसीपुरा चौराहे पहुंचा। नगरपालिका की ओर से बनाए गए मंच पर नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा और नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने गणेश मंडलों और झांकी कलाकारों का स्वागत किया। झांकियों की 5100, 7100 और 11 हजार रुपए के नगद पुरस्कार दिए गए। विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर सहित जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मौजूद रहे।



माही कंडारे का राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में चयन

आष्टा, यश भारत । सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा माही कंडारे का राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। अब माही मणिपुर में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। शनिवार को सिद्धीकगंज में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के दौरान विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर और कलेक्टर बालागुरु के. ने माही को सम्मानित किया। विद्यालय के प्राचार्य सितवत खान ने बताया कि स्कूल में खेल सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

महापौर मालती राय ने आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का किया शुभारंभ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा दीदियों का सम्मान

भोपाल, यश भारत ।

हिन्दी भवन में शनिवार को आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के तहत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। महापौर मालती राय ने विधायक भगवानदास सबनानी की मौजूदगी में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा दीदियों को उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महापौर ने महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर लोगों तक शासन की विभिन्न सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य एवं जिला भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र यती, आर.के. सिंह



बघेल, सुषमा बावीसा, जोन अध्यक्ष ब्रजुला बबोता डोंगरे, अनिता शुक्लारे, गिरिजा खटीक, सचान, आरती अनेजा, पूजा शर्मा और विनीता विभागीय अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सोनी सहित पार्षद प्रियंका मिश्रा, सरोज असेरी, आशा दीदियां मौजूद रही।

बालरंग प्रतियोगिता में मार्टिनेट को दूसरा स्थान



आष्टा, यश भारत । जिला स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता में मार्टिनेट कॉन्वेंट हायर सेकंडरी स्कूल अलीपुर के विद्यार्थियों ने समूह लोकगीत विधा में दूसरा स्थान हासिल किया। उत्कृष्ट विद्यालय सीहोर में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने म्हाहरो पियरलो घणो प्यारो लागे लोकगीत प्रस्तुत किया। रचना ठाकुर, मुस्कान वर्मा और संगीत शिक्षक शाश्वत यादव के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। माही महेश्वरी, तनूजा वर्मा, ग्रंथ मेवाड़ा, देवांशी शर्मा, माही शर्मा और आरवी महेश्वरी ने सहभागिता की। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

अरिहंत पुरम से निकली जलयात्रा



आष्टा, यश भारत । पर्वण पर्व के अवसर पर अरिहंत पुरम अलीपुर स्थित श्री चंद्रप्रभु जिन मंदिर से दिगंबर जैन समाज ने भव्य जलयात्रा निकाली। श्रद्धालु भजन और जयकारों के साथ यात्रा में शामिल हुए। अलीपुर चौराहे पर रायसिंह मेवाड़ा मित्र मंडल ने समाजजनों का साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान मुनिश्री के चरण वंदन कर आशीर्वाद लिया गया। समाज के पदाधिकारी, पार्षद और अन्य लोग मौजूद रहे।

44 हजार 510 गणेश प्रतिमाओं का हुआ विधि-विधान से विसर्जन



भोपाल, यश भारत ।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर भोपाल नगर निगम द्वारा गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए की गई व्यवस्थाओं के बीच शहर में बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विधि-विधान और ससम्मान विसर्जन कराया गया। 7 स्थायी विसर्जन घाटों और 29 अस्थायी विसर्जन स्थलों पर 42 हजार 318 छोटी तथा 2 हजार 197 बड़ी प्रतिमाओं सहित कुल 44 हजार 510 प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। महापौर मालती राय और निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने विभिन्न विसर्जन स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और घाटों पर स्वच्छता व्यवस्था लगातार बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निगम ने प्रमुख घाटों पर क्रैन, नाव, गोताखोर और अग्निशमन दल की तैनाती की है। पहुंच मार्गों पर प्रकाश, पेयजल और सफाई की व्यवस्था के साथ स्थायी घाटों पर नियंत्रण कक्ष भी बनाए गए हैं। जोन स्तर पर

प्रतिमाओं के एकत्रीकरण के लिए टेंट, मेज-कुर्सियां, विसर्जन पात्र और पूजा सामग्री के लिए अलग-अलग पात्र उपलब्ध कराए गए हैं। प्रतिमाओं के परिवहन के लिए 30 विशेष विसर्जन वाहन लगाए गए हैं। निर्माल्य सामग्री को सूखा और गीला अलग कर उसके निष्पादन की व्यवस्था भी की गई है। प्रमुख घाटों में प्रेमपुरा में 7353 छोटी और 620 बड़ी, रानी कमलापति में 6300 छोटी और 140 बड़ी, खटलापुरा में 6231 छोटी और 270 बड़ी, शाहपुरा में 6103 छोटी और 234 बड़ी, बैरागढ़ में 5501 छोटी और 282 बड़ी, मालीखेड़ी में 3500 छोटी और 167 बड़ी तथा हथाईखेड़ा में 7330 छोटी और 484 बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया। निगम आयुक्त ने शाहपुरा, हथाईखेड़ा, खटलापुरा, रानी कमलापति और प्रेमपुरा घाटों का निरीक्षण कर अधिकारियों को विसर्जन प्रक्रिया सुचारू बनाए रखने और घाटों की लगातार सफाई कराने के निर्देश दिए।

राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिताओं में अधिकारियों कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने लिया भाग

भोपाल, यशभारत । एम्स भोपाल में 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़ा 2026 के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में श्रुतलेख हिंदी काव्यपाठ और राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। 17 सितंबर को श्रुतलेख एवं हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता हुई जिसमें अधिकारियों कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। काव्यपाठ में प्रतिभागियों ने रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। 18 सितंबर को हिंदीतर भाषी अधिकारियों कर्मचारियों के लिए विशेष काव्यपाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें गुप ए और बी के अधिकारियों ने सहभागिता की। 22 सितंबर को राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता हुई, जिसमें गुप ए बी एवं सी के कर्मिक शामिल हुए। प्रतियोगिताओं के माध्यम से हिंदी भाषा लेखन काव्य अभिव्यक्ति एवं राजभाषा संबंधी ज्ञान को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। एम्स भोपाल में आयोजित हिंदी पखवाड़े का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक और प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करना है। संस्थान का राजभाषा प्रकोष्ठ हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए नियमित रूप से प्रतियोगिताओं गतिविधियों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

शहादत दिवस पर संस्कार में कार्यक्रम में भारत-पाकिस्तान युद्ध के जाबांज शहीद प्रेम रामचंदानी का स्मरण

हिरदाराम नगर, यशभारत

दीपमाला संस्कार पब्लिक स्कूल में सन् 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के वीर शहीद फ्लाईंग ऑफिसर प्रेम रामचंदानी को उनके शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में संस्था के सचिव बसंत चेलानी एवं कोषाध्यक्ष चंद्र नागदेव ने सैनिक के चित्र पर माल्यार्पण कर शत-शत नमन किया। चेलानी ने शहीद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 19 अक्टूबर 1941 को जन्मे प्रेम रामचंदानी ने मात्र 24 वर्ष की अल्पायु में ही 26 सितम्बर 1965 को देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। 1965 के युद्ध के दौरान उन्होंने पाकिस्तान में 9 बार सफल



बमबारी की। 10वां बार दुश्मन के हमले से उनका विमान क्षतिग्रस्त हो गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। 26 सितम्बर को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके अंतिम शब्द थे- 'मुझे अफसोस है कि अपने देश पर न्योछावर करने के लिए मेरे पास केवल एक ही जीवन है। '

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, मोटेसरी ईचार्ज प्रियांशी आडवानी, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों ने भी शहीद प्रेम रामचंदानी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व और विचारों से अवगत हुई छात्राएं

हिरदाराम नगर, यशभारत

पंडित दीनदयाल उपाध्याय कन्या महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर 'युग ऋषि' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत तरीके से मनाया गया। प्राचार्य डॉ. प्रिया बुधानी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासुदेव वाधवानी, उपाध्यक्ष महेश दयारामानी, महासचिव राजेश हिंगोरांनी एवं भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय महामंत्री सुनील कोठारी ने पंडित जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और गूढ़ विचारों पर प्रकाश डाला। छात्रा नंदिनी धानक ने भाषण तथा तमन्ना नागर ने गीत की प्रस्तुति दी। इस दौरान 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े की प्रतियोगिताओं के



विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा पंडित जी के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र दिखाया गया। कार्यक्रम में सचिव सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष धर्म प्रकाश मोटवानी

सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। डॉ. दिव्या वर्मा के निदेशन और पूनम मुखर्षी के संचालन में यह कार्यक्रम राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।



मिठी-नवनिध स्कूल में आयोजन हुआ

शिक्षाविद् ईश्वर चंद्र विद्यासागर को याद किया बच्चों ने

हिरदाराम नगर, यशभारत

नवनिध और मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल में शिक्षाविद् एवं समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत तरीके से हुई। कार्यक्रम में साधु वासुवानी सदन की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विचारोत्तेजक नाटक रहा। अभिनय के जरिए छात्राओं ने स्त्री शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह और सामाजिक समानता के लिए विद्यासागर द्वारा किए गए ऐतिहासिक प्रयासों को जीवंत कर दिया। विद्यालय की प्राचार्या अमृता मोटवानी ने कहा कि ईश्वर चंद्र

विद्यासागर द्वारा तैयार किए गए मजबूत आधार के कारण ही आज महिलाएँ शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम का संचालन छात्रा नैना गोस्वामी एवं नीलम सखलानी ने किया। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर विशेष सभा आयोजित हुई। छात्रों ने प्रेरणादायी लघु नाटिका प्रस्तुत की। प्राचार्या रेखा केवलानी एवं उप-प्राचार्या दिव्या कुपलानी ने उनके जीवन-आदर्शों को अपनाकर समाज सुधार व शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। संचालन कंचन जावरानी ने किया।

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं



संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उन्से उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे।

चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों मानें? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में टूट्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, टूट्ट। उसका अर्थ होता है, कोई कह रहा है। अर्जुन भलीभांति कृष्ण को जानता है। कृष्ण को भी विचलित नहीं देखा है। कृष्ण को उदास नहीं देखा है। कृष्ण की बांसुरी से कभी दुख का स्वर निकलते नहीं देखा है। कृष्ण सदा ताजे हैं।

कड़वे वचन

छाता बारिश को रोक तो नहीं सकता

परन्तु बारिश में खड़े रहने का हौंसला

जरूर दे सकता है। ठीक इसी तरह से

सत्यं और प्रवचन तुम्हारे दुखों को नष्ट

तो नहीं कर सकते परन्तु उन्हें सहने की

ताकत जरूर दे सकते हैं दुख में से सुख खोजने की कला जरूर सिखा

सकते हैं । इसलिए सत्यं करो, उससे तुम्हें दुख सहने की ताकत

मिलेगी और तुम अभाव में भी मुस्कुरा सकोगे।



आज का राशिफल

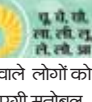
पंचांग:- 27 सितंबर 2026

दिन- रविवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष

विक्रम संवत् 2083



ज्योतिषाचार्य गिंडा लोकेश व्यास

मेघ


स्थान परिवर्तन चाहने वाले लोगों को कुछ उन्मीद नजर आएगी मनीषन बढ़ेगा

वृष


युवक वर्ग व्यक्तितगत और व्यवहारिक गतिचिधियों में तालमेल बनाकर र खेंगे

मिथुन


किसी संबंधी जनों की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है अन्य खर्चें भी परेशान करेंगे

कर्क


अपनी सुझबुझ के साथ नकारात्मक परिस्थितियों में भी अच्छे परिणाम हासिल कर सकते हैं

सिंह


व्यवसाय में अनिश्चितता रहने से चिंता बढ़ेगी अनावश्यक तनाव ना ले

कन्या

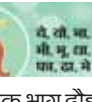

अत्यधिक तनाव और मेहनत की वजह से आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है ध्यान रखें

तुला


जोरिखम भरे कामों से दूर रहे अनावश्यक सलाह ना दें

वृश्चिक


अपने आसपास की परिस्थितियों में बदलाव महत्सु करेंगे आज की मेहनत भविष्य में अच्छे परिणाम दे सकती है

धनु


व्यवसाय में अत्यधिक भाग दोड़ बनी रहेगी स्वास्थ्य पर अवश्य ध्यान दें

मकर


परिवार जनों के आपसी सहयोग से माहौल सकारात्मक बना रहेगा वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं

कुंभ


शांतिपूर्ण तरीके से काम करने की कोशिश करें तनाव से दूर रहने की कोशिश करें

मीन


संतुलित आहार ले दिनचर्या को सुधारने की कोशिश करें

विचार प्रवाह

प्रकृति, संस्कृति और समाज को जोड़ता सतत पर्यटन

विश्व पर्यटन दिवस (27 सितम्बर) पर विशेष)

पर्यटन केवल मनोरंजन, सैर-सपाटे या विश्राम का माध्यम नहीं है, यह मानव सभ्यता के विकास में निरंतर योगदान देने वाला एक ऐसा वैश्विक उद्योग है, जिसने संस्कृतियों को जोड़ा, विविधताओं को समझने का अवसर दिया और आर्थिक समृद्धि के साथ सामाजिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त किया। ‘संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन’ द्वारा प्रतिवर्ष 27 सितम्बर को मनाया जाने वाला यह दिवस विश्व समुदाय को पर्यटन के बहुआयामी महत्व और इसके दूरगामी प्रभावों पर पुनर्विचार करने का अवसर प्रदान करता है। पर्यटन का दुनिया की अर्थव्यवस्था में स्थान असाधारण है। वैश्विक स्तर पर यह उद्योग प्रतिवर्ष अरबों डॉलर का राजस्व उत्पन्न करता है और करोड़ों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है। विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्टों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर प्रत्येक दस में से एक नौकरी पर्यटन से जुड़ी है। विकसित देशों के साथ-साथ विकासशील राष्ट्रों की अर्थव्यवस्था में भी यह एक प्रमुख आधार स्तंभ के रूप में कार्य करता है। भारत की बात करें तो यह क्षेत्र देश की जीडीपी में लगभग 10 प्रतिशत योगदान देता है और सीधे या अपरोक्ष रूप से पांच करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है। विश्व पर्यटन दिवस का महत्व इसलिए और भी बढ़ जाता है क्योंकि यह हमें केवल आर्थिक आंकड़ों की चमक पर नहीं बल्कि उन सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों पर भी ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करता है, जिन्हें पर्यटन उद्योग के सतत विकास के लिए प्राथमिकता देना आवश्यक है।

पर्यटन सामाजिक समानता और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम है। जब एक यात्री किसी दूसरे देश, राज्य या संस्कृति से जुड़ता है तो यह केवल यात्रा नहीं होती बल्कि यह संवाद, सहअस्तित्व और समझदारी का अवसर बनती है। एक और यह यात्रियों को नए अनुभव और दृष्टिकोण प्रदान करता है, जो दूसरी ओर स्थानीय समुदायों को अपनी संस्कृति, परंपराओं



और जीवनशैली को साझा करने का अवसर देता है। यही कारण है कि पर्यटन सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और पारंपरिक कलाओं, शिल्प और रीति-रिवाजों को पुनर्जीवित करने में मदद करता है। कई बार जो कला या परंपरा लुप्त होने के कगार पर होती है, वह पर्यटन के कारण नए जीवन का संचार प्राप्त करती है। आधुनिक समय में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियां पर्यटन के समक्ष सबसे बड़ी बाधाएं बनकर उभरी हैं। पर्यटन का अत्यधिक और अनियंत्रित विकास कई बार प्राकृतिक पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ देता है। पर्वतीय क्षेत्रों में अत्यधिक पर्यटकों का दबाव ग्लेशियरों और प्राकृतिक संसाधनों पर प्रतिकूल असर डालता है, समुद्र तटों पर अनियंत्रित पर्यटन समुद्री जीवन को खतरें में डालता है और ऐतिहासिक धरोहरों पर भीड़भाड़ से उनका संरक्षण कठिन हो जाता है। यही कारण है कि ‘सतत पर्यटन’ की अवधारणा आज सर्वाधिक चर्चा में है। सतत पर्यटन का अर्थ है ऐसा पर्यटन, जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग हो, स्थानीय समुदायों को अधिकतम लाभ मिले और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण सुरक्षित रहे। इस दिशा में अनेक देशों ने उल्लेखनीय पहल की है। उदाहरणस्वरूप, भूटान ने पर्यटन पर ‘हैडि कैल्यू, लो वॉल्यूम’ नीति अपनाई है, जिसके अंतर्गत वह पर्यटकों

न देख अशोक अपना आपा खोने लगा। वह किसी भी तरह अपने दोस्त आदर्श को इस प्रकरण से बाहर निकालना चाहता था। वह समझ चुका था कि अब सीधी उंगली से घी नहीं निकलेगा और न ही कानूनी प्रक्रिया से हल निकलने वाला। वह समझ चुका था कि आगे की परिस्थितियाँ सम्हलने हेतु अब उसे खुद ही कोई निर्णय लेना होगा। बार-बार समझाने के बाद भी जब आदर्श उसके अनुसार आगे बढ़ने हेतु तैयार नहीं हुआ तो अशोक चिल्ला पड़ा-

‘अब आगे कुछ मत कहना आदर्श।’

तुझे क्या पता कि कितनी बार इन लोगों ने तुझे अपने रास्ते से हटाना चाहा लेकिन मैंने कभी ऐसा होने नहीं दिया। मेरी व्यस्तताओं के कारण इस बार इन लोगों को मौका मिल गया और तुझे अभिमन्यु के चक्रव्यूह में फँसा लिया। मैं जानता हूँ अभिमन्यु का क्या हश्र हुआ था, लेकिन मैं यह भी अच्छी तरह से जानता हूँ कि वह द्वारप युग था, कलयुग नहीं। इस कलयुग में हर मुसीबत का निदान है। कैसे सरकार बनाना है, कैसे सरकार गिराना है। किसका कैरियर चौपट करना है और किसका बनाना है। और तो और किसके साथ कब तथा कैसा सलूक करना है मुझे सब पता है। मैंने तो यह भी पढ़ा है कि एक अन्याय, एक झूठ और एक हिंसा यदि किसी सच्चे इंसान को बचा ले तो वह गलत नहीं कहलाता। जमाना अब भी जिसकी लाठी उसकी भैंस वाला ही है।

हम तुम्हें बहुत अच्छे से जानते हैं आदर्श! तुमने कभी एक चींटी तो मारी नहीं, इन कुख्यात भेड़ियों से मुकाबला कैसे करोगे?

अशोक के क्रोधातिरेक को देखते हुए आदर्श बोला- भाई इस दुनिया में शराफत नाम की भी कोई चीज है कि नहीं। जब वक्त करवट बदलता है तो ये दबंगई, हत्याएं, लूटमार और आतंकी खौफ़ सब चूहे की तरह किसी बिल में छिप जाते हैं।

तब अशोक ने बड़े निराशा भरे भाव से कहा- मेरे भाई आदर्श! तब तक बहुत देर हो चुकी होगी और यही सब लोग तेरी शराफत पर ठाढ़े लगाएंगे। यह भी तो शाश्वत सच है कि जब जीवन रहेगा तभी तो कुछ कर पाओगे। इसलिए अब मुझे मत रोकना।

-**डॉ विजय तिवारी ‘किसलय’ जबलपुर- 482002**

पितरों को तर्पण -मृत्यु के बाद भत्य श्राद्ध,पर जीते-जी बुजुर्गों व माता-पिता की उपेक्षा क्यों?

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता में माता-पिता,गुरु और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता को केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि जीवन-मृत्यु माना गया है।इसी भावना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्वरूप है पितृ पक्ष,जिसमें मनुष्य अपने दिवंगत पूर्वजों को स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है।वर्ष 2026 में तिथियों को लेकर 26 और 27 सितंबर का कुछ भ्रम दिखाई दे रहा है,किंतु मीडिया में आई पंचांग गणना के अनुसार 26 सितंबर 2026,शनिवार को भाद्रपद पूर्णिमा और पूर्णिमा श्राद्ध है,जबकि मिथ्य पितृ पक्ष का आरंभ 27 सितंबर 2026, रविवार को सुप्रसिद्ध श्राद्ध से होगा और 10 अक्टूबर 2026,शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इसका समापन होगा।पूर्णिमा श्राद्ध 26 सितंबर को पितृ पक्ष से ठीक पहले पड़ता है।प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर की रात प्रारंभ होने के कारण भी दोनों तारीखों को लेकर भ्रम पैदा होता है।सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को है। इस प्रकार धार्मिक दृष्टि से 26 सितंबर का भी श्राद्ध संबंधी महत्व है,लेकिन प्रतिपदा से आरंभ होने वाली पितृ पक्ष 27 सितंबर से माना जाना अधिक सटीक है। पितृ पक्ष 2026 का सबसे बड़ा प्रश्न पंचांग की तारीख नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक चरित्र की तारीख बदलने का है। जिस देश की संस्कृति ‘मातृ देवो भव,पितृ देवो भव’ का संदेश देती है,उसी समाज के सामने आज यह असहज प्रश्न खड़ा है कि कहीं हम मृत्यु के बाद माता-पिता के प्रति श्रद्धा प्रदर्शित करने में तो आगे नहीं बढ़ रहे, लेकिन उनके जीवित रहते हुए उनके लिए समय, संवाद, सम्मान और सहारा देने में पीछे तो नहीं हट रहे? तकनीकी और डिजिटल युग ने दुनिया को हथेली पर ला दिया है, परंतु कई परिवारों में एक ही घर के सदस्यों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ने की चिंता भी लगातार व्यक्त की जाती है।नाई पीढ़ी शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और वैश्विक अवसरों के कारण शहरों तथा विदेशों तक

पहुंच रही है जो स्वयं में सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक प्रगति है लेकिन इस प्रगति का अर्थ माता-पिता और बुजुर्गों से भावनात्मक संबंध समाप्त होना नहीं हो सकता।तकनीक समस्या नहीं है; समस्या तब है जब सुविधा संवेदना की जगह लेने लगे। साधियों बात अगर हम 26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक प्रत्येक दिन के श्राद्ध को समझने की करें तो 26 सितंबर 2026, शनिवार- पूर्णिमा श्राद्ध,27 सितंबर, रविवार-प्रतिपदा श्राद्ध, 28 सितंबर,सोमवार- द्वितीया श्राद्ध, 29 सितंबर, मंगलवार- तृतीया श्राद्ध और महाभरणी श्राद्ध 30 सितंबर,बुधवार- चतुर्थी और पंचमी श्राद्ध, 1 अक्टूबर, गुरुवार- षष्ठी श्राद्ध, 2 अक्टूबर, शुक्रवार- सप्तमी श्राद्ध, 3 अक्टूबर, शनिवार- अष्टमी श्राद्ध, 4 अक्टूबर, रविवार- नवमी श्राद्ध, 5 अक्टूबर, सोमवार- दशमी श्राद्ध, 6 अक्टूबर, मंगलवार- एकादशी श्राद्ध, 7 अक्टूबर, बुधवार- द्वादशी और मघा श्राद्ध, 8 अक्टूबर, गुरुवार- त्रयोदशी श्राद्ध, 9 अक्टूबर, शुक्रवार- चतुर्दशी श्राद्ध, 10 अक्टूबर शनिवार सर्वपितृ अमावस्या साधियों,सोशल मीडिया पर समय-समय पर ऐसे मार्मिक वीडियो,समाचार और दावे सामने आते रहते हैं जिनमें कहीं वृद्ध माता-पिता को अकेला छोड़ने, कहीं बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और कहीं संतान द्वारा अंतिम समय में भी उपस्थित न हो पाने जैसी घटनाएं दिखाई जाती हैं। प्रत्येक वायरल वीडियो की स्वतंत्र सत्यता जांचे बिना उसे पूरे समाज का प्रतिनिधि तथ्य नहीं माना जा सकता, लेकिन ऐसी घटनाएं एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा करती हैं,यदि माता-पिता जीवित रहते हुए हमारी उपस्थिति, प्रेम और सहारे के लिए तरसते रहें, तो उनके निधन के बाद विशाल आयोजन महो कर्मकांड और सार्वजनिक प्रदर्शन क्या उस

की संख्या सीमित रखते हुए गुणवत्तापूर्ण अनुभव प्रदान करता है ताकि पर्यावरणीय और सांस्कृतिक संतुलन बना रहे। इसी प्रकार यूरोप के कई देशों ने ‘ग्रीन टूरिज्म’ मॉडल को अपनाकर पर्यावरणीय जिम्मेदारी को प्राथमिकता दी है। भारत में भी सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें इको-टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन को विशेष महत्व दिया जा रहा है। पर्यटन का महत्व शिक्षा और कौशल विकास के संदर्भ में भी कम नहीं है। यह न केवल यात्रियों को नई संस्कृतियों और भौगोलिक क्षेत्रों से परिचित कराता है बल्कि युवाओं को आतिथ्य, प्रबंधन, संचार और सांस्कृतिक समझ जैसे कौशल सीखने के अवसर भी देता है। भारत जैसे देश, जहां युवाओं की जनसंख्या बड़ी संख्या में है, पर्यटन क्षेत्र के माध्यम से विशाल रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान कर सकते हैं। छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में होम-स्टे, स्थानीय गाइड सेवा, पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प आधारित पर्यटन न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बना सकते हैं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। पर्यटन का एक और महत्वपूर्ण पक्ष शांति और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना है। जब विभिन्न देशों के लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं तो यह न केवल सांस्कृतिक समझ को बढ़ाता है बल्कि आपसी विश्वास और सहयोग की नींव भी रखता है। संयुक्त राष्ट्र ने भी पर्यटन को ‘शांति का दूत’ कहा है। इतिहास गवाह है कि जब भी देशों के बीच पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ा है, आपसी संबंध मजबूत हुए हैं। इसीलिए पर्यटन को केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं बल्कि वैश्विक शांति और सहयोग की दिशा में एक प्रभावी उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। डिजिटल तकनीक ने पर्यटन उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। ऑनलाइन बुकिंग, वचुअल टूर, एआई आधारित ट्रैवल गाइड और स्मार्ट पर्यटन समाधान ने यात्रियों के अनुभव को न केवल सरल बनाया है बल्कि अधिक सुलभ और सुरक्षित भी बनाया है। हालांकि तकनीक के उपयोग के साथ-साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। यात्रियों को अपने पर्यावरणीय

महाविनाश

‘रूको ! ‘



पहाड़ों से दैत्याकार रूप धरे प्रचंड वेग से नीचे उतरती नदी से चट्टानों ने कहा।
' क्यों ? ' घनघोर आवाज के साथ नदी ने पूछा।

इतनी तेज जाओगी, तो तबाही मचाओगी।

धीरे-धीरे जाओ। ' चट्टानों ने सलाह दी।

' मुझे धीरे ही तो नहीं जाना है।' नदी ने चट्टानों से टकराकर उछलते हुए जवाब दिया।' क्यों बहना ? ' चट्टानों ने निरीह स्वर में प्रश्न किया। ' मालूम हुआ है कि धरती पर अत्याचार, अनाचार बढ़ गया है। नैतिकता ध्वस्त हो चुकी है। इंशान राक्षस, नराधम बन चुका है।धरती से सारे पापियों का विनाश करना है। ' नदी ने क्रोध में गरजते हुए कहा।' ममार तुम्हारी इस विनाशलीला से तो वे निर्दोष भी मारे जाएंगे, जिन्होंने पाप नहीं किया है ? ' चट्टानों ने स्वाभाविक प्रश्न किया। ' तो क्या हुआ ? जब पाप हो रहा था, तो ये लोग चुपचाप तमाशा क्यों देखते रहे उसका प्रतिरोध क्यों नहीं किया ?इसीलिए.....' अपनी बात पूरी किए बिना हह्राती - भरभराती - गड़गड़ती हुई नदी धरती की ओर बढ़ गयी।

- **डा.विजयानन्द विजय गाजियाबाद, उ.प्र.**

संस्कार पहुंचाने का अवसर है।धार्मिक मान्यता है कि इस अवधि में पितर सूक्ष्म रूप से अपने वंशजों के निकट आते हैं और श्रद्धापूर्वक किए गए तर्पण, पिंडदान, अन्नदान तथा श्राद्ध को स्वीकार कर आशीर्वाद देते हैं। इसे वैज्ञानिक तथ्य के बजाय धार्मिक आस्था और परंपरा के रूप में समझना उचित है। किंतु इसके पीछे छिपा सामाजिक और दार्शनिक संदेश सार्वभौमिक है,मनुष्य अकेला नहीं बनता; उसके वर्तमान के पीछे माता-पिता और अनेक पीढ़ियां का त्याग, परिश्रम, संस्कार और संघर्ष खड़ा होता है। यही कारण है कि पूर्वज-स्मरण की परंपराएं केवल भारत तक सीमित नहीं हैं।दुनियाँ की अनेक संस्कृतियों में अलग-अलग रूपों में दिवंगत पूर्वजों को स्मरण करने, उनका कर्बों या स्मृति-स्थलों पर जाने और परिवार के साथ उनकी स्मृतियां साझा करने की परंपराएं मिलती हैं। इसलिए पितृ पक्ष को भारतीय संस्कृति के साथ-साथ मानवीय कृतज्ञता के व्यापक दर्शन के रूप में भी सटीकता से देखा जा सकता है। साधियों,भारत में बुजुर्गों के अधिकारों को केवल नैतिकता के भरोसे नहीं छोड़ा गया है। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 जैसी कानूनी व्यवस्था संतान और रिश्तेदारों की जिम्मेदारियों के प्रश्न को विधिक आयाम भी देती है। लेकिन प्रत्येक पारिवारिक संबंध को कानून के सहारे जीवित नहीं रखा जा सकता। अरालत आर्थिक भरण- पोषण का आदेश दे सकती है, परंतु माता के अकेलेपन को पुत्र के स्नेह में और पिता की प्रतीक्षा को बेटी के संवाद में परिवर्तित करने का आदेश कोई कानून नहीं दे सकता।

किशन सनमुखदास भावनानी

बैतूल में DJ बना मौत का साउंड!
गणपति दर्शन करने J.H. कॉलेज पहुंची BSc फर्स्ट ईयर की 17 साल की छात्रा को आया हार्ट अटैक - तेज आवाज में बेहोश होकर गिरी, जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित '



यश भारत, बैतूल। बैतूल जिले के सबसे बड़े सरकारी झ. झ. कॉलेज से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। गणपति दर्शन के लिए पहुंची एक 17 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई जा रही है, जिसकी वजह DJ का तेज साउंड बताया जा रहा है।

सोहागपुर दाना की रहने वाली थी छात्रा

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक छात्रा सोहागपुर दाना, थाना शाहपुर निवासी 17 वर्षीय छात्रा है, जो बैतूल में किराए के मकान में रहकर झ. झ. कॉलेज में BSc First Year की पढ़ाई कर रही थी। छात्रा अपनी सहेली के साथ गणेश जी के दर्शन के लिए J.H. कॉलेज गई थी। कॉलेज परिसर में तेज आवाज में DJ बज रहा था। इसी दौरान छात्रा अचानक बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी।

अस्पताल में मृत घोषित, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

छात्रा को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक प्रथम दृष्टया छात्रा की मौत हार्ट अटैक के कारण होने की संभावना है। हालांकि मौत का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। डॉक्टरों का कहना है कि DJ के बेहद तेज साउंड से हृदयघात और ब्रेन स्ट्रोक की संभावना बनी रहती है। फिलहाल कोतवाली पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

आमला में रविवार 6 घंटे गुल रहेगी बिजली!

यश भारत,बैतूल/आमला आमला नगर वासियों के लिए जरूरी खबर। नगर में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 11 केवी आमला टाउन फीडर की लाइन की क्षमता वृद्धि का कार्य किया जाएगा। यह कार्य आरडीएसएस (ऋस्स) योजना के अंतर्गत किया जाना है। कार्य के चलते रविवार 27 सितंबर 2026 को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक आमला नगर के विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत प्रदाय बाधित रहेगा। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, आमला नगर क्षेत्र के प्रबंधक द्वारा जारी सूचना के अनुसार 11 केवी आमला टाउन फीडर की लाइन की क्षमता वृद्धि के कार्य के लिए विद्युत आपूर्ति बंद रखी जाएगी। ये क्षेत्र रहेंगे प्रभावित -विद्युत कंपनी की सूचना के मुताबिक इस दौरान मेन रोड, गणेश कॉलोनी, कसारी मोहल्ला, इतवारी चौक, धीमर मोहल्ला, मंगल भवन सहित समस्त आमला शहर क्षेत्र में विद्युत प्रदाय प्रभावित रहेगा। 6 घंटे चलेगा क्षमता वृद्धि का कार्य आरडीएसएस योजना के तहत 11 केवी फीडर की क्षमता वृद्धि का कार्य पूरा होने के बाद नगर क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से निर्धारित समय को ध्यान में रखते हुए आवश्यक विद्युत संबंधी कार्य पहले से निपटाने तथा सहयोग करने की अपील की है। सूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण निर्धारित समय में परिवर्तन अथवा वृद्धि की जा सकती है।

मानवता की नई मिसाल बना आमला!

यश भारत, बैतूल/आमला आमला नगर के शनिवार साप्ताहिक बाजार में भीमनगर निवासी एक परिवार के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं था, लेकिन पुलिस प्रशासन की मुस्लैदी और समाज की सजगता ने इस कहानी का अंत बेहद सुखद कर दिया।

बाजार की भीड़ में ओझल हुई 3 साल की प्रियांशी

नगरीय क्षेत्र आमला में लगने वाले शनिवार साप्ताहिक बाजार की भारी भीड़ में भीमनगर निवासी मनीष बड़बाई की 3 वर्षीय मासूम पुत्री प्रियांशी अचानक अपने माता-पिता से बिछड़ गई। बच्ची के एकाएक ओझल हो जाने से परिजनों के पैर तले जमीन खिसक गई। लगभग एक घंटे तक बदहवास माता-पिता और रिश्तेदारों ने बाजार के कोने-कोने में बच्ची की खाक छानी, लेकिन प्रियांशी का कहीं कोई पता नहीं चला।

दो महिलाओं ने पेश की इंसानियत की मिसाल

समाज में आज भी जिंदा इंसानियत का परिचय देते हुए दो संगीता माथनकर, उषा विजयकर महिलाएं माता-पिता को ढूंढती हुई मासूम के लिए फरिश्ता बनकर

खेड़ी-सावलीगढ़ में चोरों का आतंक!

एक ही रात में दो जगह धावा - चिचोली मार्ग की गुमटी के ताले तोड़कर हजारों का सामान-सिगरेट-गुटखा साफ, नल-जल योजना के पंप हाउस से केबल काटकर ले गए चोर, ग्रामीणों में दहशत '



यश भारत, बैतूल/खेड़ी-सावलीगढ़ 8 खेड़ी सांवलीगढ़ बैतूल कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम खेड़ी-सावलीगढ़ में बीती रात अज्ञात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। चोरों ने एक ही रात में दो अलग-अलग स्थानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में चिंता और दहशत का माहौल है।

चाय-पान की गुमटी को बनाया निशाना

चिचोली मार्ग पर स्थित अशोक भोपे की चाय-पान की



सामने आई। बाजार में अकेली और डरी हुई प्रियांशी को देख इन महिलाओं ने उसे संभाला। बच्ची इतनी छोटी थी कि वह अपने घर का पता या माता-पिता का नाम ठीक से नहीं बता पा रही थी। सूझबूझ का परिचय देते हुए दोनों महिलाएं बच्ची को सीधे आमला थाना परिसर लेकर पहुंचीं। उन्होंने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को बताया कि यह बच्ची बाजार में अपने माता-पिता से बिछड़ गई है और लगातार रोते हुए उन्हें ढूंढ रही है।

पुलिस और परिजनों ने शुरू किया

संयुक्त सर्च ऑपरेशन

मासूम प्रियांशी नहीं मिली, तो रोते-बिलखते पिता मनीष बड़बाई तुरंत आमला थाने पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को बच्ची के गुम होने की सूचना दी और मदद की गुहार लगाई। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आमला पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया। थाना परिसर से पुलिसकर्मियों की अलग-अलग टीमों गठित की गईं। पुलिस जवानों ने परिजनों के साथ

चिचोली ब्लॉक की पंचायतों में भ्रष्टाचार के आरोपों से हड़कंप, चुना हजुरी के विकास कार्यों की जांच की मांग



सोशल मीडिया पोस्ट ने खोली पोल- सरपंच-उपसरपंच की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, अब प्रशासन की जांच पर टिकी नजर

यश भारत, बैतूल / चिचोली। चिचोली ब्लॉक की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों और पंचायत निधि के उपयोग को लेकर सोशल मीडिया पर सामने आए आरोपों ने पंचायतों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में सरपंच-उपसरपंच की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए चुना हजुरी में सीसी रोड, चेक डैम और पुलिया निर्माण कार्यों की जांच की मांग की गई है।

क्या है पूरा मामला?

फेसबुक पर राजेश बाबा साहू नाम की आईडी से की गई एक पोस्ट में आरोप लगाया गया है कि भाजपा समर्थित चिचोली ब्लॉक में जितने भी सरपंच और उप सरपंच हैं, सब मिलकर पंचायत को चुना लगा रहे हैं और सभी पंचायतों में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है। पोस्ट में मांग की गई है कि अधिकारी उन पंचायतों को नजरअंदाज कर रहे हैं क्योंकि सरकार भाजपा की है।

मिलकर साप्ताहिक बाजार और उसके आसपास के रास्तों पर सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया। लाउडस्पीकर और व्यक्तिगत स्तर पर बच्ची की हुलिया बताकर लोगों से पूछताछ की जाने लगी।

थाना परिसर में भावुक कर देने वाला मिलन

महिलाओं द्वारा बच्ची को सुरक्षित थाने लाने के तुरंत बाद, बाजार में ढूंढ रही पुलिस टीम और परिजनों को इसकी सूचना दी गई। जैसे ही मनीष बड़बाई और उनकी पत्नी थाने पहुंचे, अपनी 3 साल की मासूम प्रियांशी को सही-सलामत देखकर उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। पुलिसकर्मियों और उपस्थित गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में प्रियांशी को उसके माता-पिता के सुपुर्द किया गया। मां की गोद में जाते ही मासूम के चेहरे पर खोई हुई मुस्कान लौट आई। परिजनों ने पुलिस प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और उन दोनों अज्ञात महिलाओं का हाथ जोड़कर आभार व्यक्त किया, जिन्होंने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए बच्ची को सुरक्षित पुलिस तक पहुंचाया। इस पूरे घटनाक्रम ने साबित कर दिया कि आज भी समाज में मानवता और सजगता की मिसालें कायम हैं।

इसी क्रम में ग्राम पंचायत चुना हजुरी में भी सीसी रोड, चेक डैम और पुलिया निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है और इसमें कमीशन लेने की बात भी शामिल है। पोस्ट के वायरल होते ही 45 लाइक्स और 12 कमेंट के साथ मामला चर्चा में आ गया है।

चुना हजुरी के निर्माण कार्यों पर भी सवाल

सोशल मीडिया पर की गई दूसरी टिप्पणी में ग्राम पंचायत चुना हजुरी में सीसी रोड, चेक डैम और पुलिया निर्माण को लेकर कथित भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। पोस्ट में राजनीतिक लोगों की भूमिका का भी दावा किया गया है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पक्ष का कोई आधिकारिक बयान अभी सामने नहीं आया है।

जांच के सामने आ सकती है सच्चाई

बताया जा रहा है कि यदि पंचायतों में हुए निर्माण कार्यों की तकनीकी जांच, मौके पर भौतिक सत्यापन और भुगतान संबंधी दस्तावेजों की जांच कराई जाए तो इससे स्पष्ट तस्वीर सामने आ सकती है कि सरकारी राशि का उपयोग नियमानुसार हुआ है या नहीं।

अब निगाहें प्रशासन पर

फेसबुक पोस्ट के बाद अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस वायरल पोस्ट को संज्ञान में लेकर जांच कराता है या नहीं। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। वहीं यदि आरोप अप्रामाणित पाए जाते हैं तो आधिकारिक रूप से स्पष्टि स्पष्ट करने की आवश्यकता है ताकि पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों की छवि धूमिल न हो।



मुख्यमंत्री ने बदनावर में गणेश प्रतिमा

विजर्सन में हुई दुर्घटना पर किया दुःख व्यक्त

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने के लिए निर्देश

भोपाल, यशभारत। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिले के बदनावर में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डेलची रोडस्थित नदी के पास तीन बच्चों की डूबने से मृत्यु की दुर्घटना पर गहन दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एकस पर कहा कि दुर्घटना अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं सभी शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक मृतक बच्चे के परिजनों को 4-4 लाख रूपय की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से दिवंगतों को अपने श्री चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

इंदौर

बंद मकान के बाथरूम में मिला महिला का सड़ा-गला शव

बदबू आने पर पड़ोसियों ने दी सूचना, ताला तोड़कर अंदर पहुंची पुलिस; मौत का कारण स्पष्ट नहीं

इंदौर, यशभारत। मध्यप्रदेश के इंदौर में शुक्रवार शाम सूर्यदेव नगर स्थित एक बंद मकान के बाथरूम से 38 वर्षीय महिला का कई दिन पुराना सड़ा-गला शव बरामद हुआ। मकान से बदबू आने पर पड़ोसियों ने रिश्तेदारों को सूचना दी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मकान का ताला तोड़कर शव बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।



फाईल फोटो

पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान अनुराधा एकतारे के रूप में

रिश्तेदारों ने पुलिस को जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। बाथरूम में महिला का शव खराब हालत में मिला।रिश्तेदारों के अनुसार, अनुराधा की मां रंजना की पिछले वर्ष मृत्यु के बाद से वह घर में अकेली रह रही थी। पुलिस के मुताबिक, शव की स्थिति को देखते हुए महिला की मौत करीब चार दिन पहले होने की आशंका है।

मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस हादसे समेत विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है और महिला के संपर्क में रहने वाले लोगों से पूछताछ की जा रही है। परिजनों ने फिलहाल किसी पर संदेह नहीं जताया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत के कारण और समय की स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का बढ़ा जलस्तर: घाट और दुकानें जलमग्न, प्रशासन अलर्ट पर

चित्रकूट, यशभारत। उत्तरप्रदेश के चित्रकूट जिले में हो रही बारिश और मध्य प्रदेश से आ रहे पानी के कारण मंदाकिनी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है, जिससे प्रसिद्ध रामघाट के कई घाट, मंदिर और आसपास की दुकानें पूरी तरह जलमग्न हुई हैं। स्थिति की गंभीरता को देखकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं, एहतियातन स्कूल-कॉलेज बंद किए गए हैं और पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी किया गया है।



रहे हैं। स्थानीय दुकानदार ने बताया कि पानी दुकानों तक पहुंचने के कारण उन्हें पूरी रात जागकर बिताना पड़ा और भारी परेशानियों का

सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, कुछ अन्य लोगों ने बताया कि प्रशासन और जिलाधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं और घाटों पर सुरक्षा के लिए टीमें तैनात हैं। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के नेतृत्व में प्रशासन लगातार नागरिकों से अपील कर रहा है कि वे बढ़ते जलस्तर को देखकर घाटों और पानी के तेज बहाव से दूर रहें। हालांकि अब जलस्तर में आंशिक कमी के संकेत मिल रहे हैं, लेकिन जब तक बारिश का दौर थमता नहीं है, तब तक बाढ़ और खतरे की आशंका बनी हुई है। प्रशासन किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह मुसैद है।

इंदौर में बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करेगी ओवैसी की पार्टी

खलील मुल्तानी

एआईएमआईएम के

जिलाध्यक्ष नियुक्त; 2

अक्टूबर को उलेमा कॉन्फ्रेंस

इंदौर, यशभारत। आगामी चुनावों की तैयारियों के बीच असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम ने इंदौर में संगठन विस्तार की शुरुआत कर दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने खलील मुल्तानी को इंदौर जिलाध्यक्ष नियुक्त करने

की घोषणा की। मुल्तानी को बूथ और स्थानीय स्तर पर संगठन मजबूत करने के साथ नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने की जिम्मेदारी दी गई है।इंदौर प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता में खान ने कहा कि पार्टी प्रदेश में अपना संगठन मजबूत करने पर काम कर रही है। इसी क्रम में 2 अक्टूबर को मध्यप्रदेश उलेमा कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। इसमें प्रदेशभर के उलेमा और सामाजिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन में मुस्लिम समाज से जुड़े सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा होगी।

गरबा आयोजनों में मुस्लिमों के प्रवेश को लेकर भाजपा नेताओं के बयानों पर खान ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को धार्मिक तनाव बढ़ाने वाले बयानों से बचना चाहिए। महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा को लेकर भी उन्होंने सरकार और जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगा।खान ने मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की भाजपा पार्श्वद को लेकर की गई टिप्पणी का विरोध किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त से जुड़े हालिया विवाद पर उन्होंने कहा कि पार्टी आगामी पत्रकार वार्ता में अपना रुख स्पष्ट करेगी।

‘मेरे सपनों का भारत’ को विद्यार्थियों ने रंगों में उकेरा

इंदौर, यशभारत। ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर विद्यार्थियों की कल्पनाओं को रंगों और रेखाओं के जरिए अभिव्यक्ति मिली। सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के चयनित उत्कृष्ट चित्रों की जिला स्तरीय ‘सेवाचित्र’ प्रदर्शनी शनिवार को सांदीपनि शासकीय अहिल्याश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, पोलोग्राउंड के ऑडिटोरियम में आयोजित हुई।प्रदर्शनी का शुभारंभ जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने किया। इस अवसर पर सांसद शंकर लालवानी, विधायक महेंद्र हाडिया , रमेश मेंदोला, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमर्ति मंडि सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षाविद, शिक्षक और विद्यार्थी भी मौजूद रहे।प्रदर्शनी में इंदौर जिले के शासकीय, अशासकीय और सीबीएसई विद्यालयों के विद्यार्थियों के चयनित चित्र प्रदर्शित किए गए।

राजस्थान के भीलवाड़ा और उज्जैन से करीब 46 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए हैं। पुलिस अब तक करीब 71 लाख से अधिक का माल जब्त कर चुकी है। पुलिस के अनुसार, चारों ओरियों को पहले गिरफ्तार कर करीब 25 लाख रुपए का माल बरामद किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों का दोबारा रिमांड पर लिया और

चोरी के बाकी माल को लेकर पूछताछ की। आरोपी देवेंद्र गुजर उर्फ देवा ने पहले पुलिस को बताया कि उसने चोरी का सोना इंदौर सराफा बाजार में बेच दिया है। पुलिस ने जब वहाँ पहुंचकर तस्दीक की तो

उसकी कहानी झूठी निकली। इसके बाद सख्ती से पूछताछ में उसने राजस्थान के भीलवाड़ा स्थित अपने गांव नेगेडिया का खेड़ा में नाल छिपाना बताया। पुलिस टीम देवेंद्र को लेकर राजस्थान पहुंची। उसकी निशानदेही पर करीब 20 तोला सोने और 150 ग्राम चांदी के जेवर बरामद किए। इसी तरह रोहित पाल भी लगातार इंदौर सराफा में माल बेचने की कहानी बताकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। उसकी कहानी भी झूठी निकली कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने मक्सी रोड उज्जैन बस स्टैंड के पीछे माल छिपाना बताया।

एशियाई खेलों में गुलवीर ने रजत पदक जीता



आइची (ईएमएस)। भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने एशियाई खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता है। गुलवीर ने 28:29.38 का समय निकालकर पोलैंडियम पर अपनी जगह पक्की करने के साथ ही भारत की पदक तालिका में एक रजत और जोड़ दिया। गुलवीर ने पिछले एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पिछले संस्करण में उन्होंने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है।

पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में गुलवीर ने 28:29.38 के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक बहरीन के

बिरहानु बालेव ने 28:27.51 के समय के साथ जीता, जबकि अल्बर्ट किप्टू ने 28:34.38 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता।

गुलवीर ने इससे पहले ग्लासो राष्ट्रमण्डल खेलों में उन्होंने 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक और 5,000 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में भी उन्होंने 5,000 और 10,000 मीटर दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी धाक जमाई थी। पिछले दो सालों से वह लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय लंबी दूरी की दौड़ में एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे हैं।

भारतीय एथलीट सावन ने मैराथन में रजत जीतकर बनाया रिकार्ड



आइची (ईएमएस)। यहां जारी एशियाई खेलों में भारतीय एथलीट सावन बरवाल ने मैराथन दौड़ में पदक जीतने के साथ ही एक नया रिकार्ड बनाया है। इस स्पर्धा में सावन ने 2 घंटे 11 मिनट 36 सेकंड का

समय निकालते हुए रजत पदक जीता। यह न केवल उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दर्शाता है, बल्कि इससे 44 साल के लंबे इंतजार के बाद भारत को मैराथन में पहला पदक मिला है। इससे पहले 1982 में भारत ने मैराथन में पदक जीता था। सावन ने 2:11:36 का सबसे कम समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। इसी साल रॉटरडैम मैराथन में उन्होंने 2 घंटे 12 मिनट से कम समय में दौड़ पूरी कर शिवनाथ सिंह के 48 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था।

एशियन गेम्स- अंकुश ने बॉक्सिंग का पहला मेडल पक्का किया

मुर्ली मेंस लॉन्ग जम्प के फाइनल में, सिंधु क्वार्टर फाइनल हारीं

नागोया, एजेंसी। मुक्केबाज अंकुश पंधाल ने एशियन गेम्स 2026 में बॉक्सिंग का पहला मेडल पक्का किया। वे मेंस 80 ग्रह वेट कैटेगरी के सेमीफाइनल में पहुंच गए। मुक्केबाजी में सेमीफाइनल पहुंचने वाले खिलाड़ियों को मेडल मिलता है। रविवार को गेम्स के 8वें दिन अंकुश ने ताजिकिस्तान के नेक्रुज सलीमोव को 5-0 से हराया। मुर्ली श्रीशंकर और डेविस सोलोमोल ने लॉन्ग जम्प के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। भारत की कंपाउंड पुरुष और महिला टीम में आचरी के सेमीफाइनल में पहुंच गई। जहां उनका सामना साउथ कोरिया से होगा।



आज 33 गोल्ड मेडल दांव पर हैं

एशियाड में आज 33 गोल्ड मेडल दांव पर हैं। 18

साल की अनाहत सिंह स्ववाश महिला सिंगल्स का फाइनल मैच खेलेंगी। भारत को उनसे गोल्ड की उम्मीद होगी। उनका मुकाबला दोपहर 1:30 बजे

मलेशिया की सिवासंगरी सुब्रमणियम से होगा। अभय सिंह पुरुष सिंगल्स के फाइनल में दोपहर 12:30 बजे एनग एइन यो से खेलेंगे।

श्रीशंकर और डेविड पुरुष लॉन्ग जंप के फाइनल में

भारत के मुर्ली श्रीशंकर और डेविड सोलोमन ने मेंस लॉन्ग जंप के फाइनल में जगह बना ली है। क्वालिफिकेशन में श्रीशंकर ने 7.84 मीटर और डेविड ने 7.62 मीटर की छलांग लगाई। उज्बेकिस्तान के अनवर अनवरोव 8.00 मीटर के प्रयास के साथ क्वालिफिकेशन में टॉप पर रहे। श्रीशंकर पिछले एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं।

इस बार वे गोल्ड मेडल के दावेदारों में शामिल हैं। मेंस लॉन्ग जंप का फाइनल 28 सितंबर को होगा।

अभी संन्यास नहीं लेंगे रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए खेलते रहेंगे

लिस्बन (ईएमएस)। फीफ विश्वकप फुटबॉल में पुर्तगाल टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही अटकलें लगायी जा रही थीं कि टीम के कप्तान और स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब किसी भी समय संन्यास ले सकते हैं पर रोनाल्डो ने इससे इंकार किया है। इस फुटबॉलर का कहना है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। साथ ही कहा कि वह तब तक खेलते रहेंगे जब तक मैदान पर अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। रोनाल्डो ने हालांकि माना है कि विश्व कप में टीम की हार के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बारे में गंभीरता से सोचा था, पर अब उनका पूरा ध्यान आगामी मुकाबलों में पुर्तगाल को जीत दिलाने और टीम के लक्ष्यों को हासिल करने पर केंद्रित है। रोनाल्डो ने बताया कि विश्व कप के अंतिम-16 में स्पेन के खिलाफ मिली हार के बाद उनके मन में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को खत्म करने का विचार आया था। उन्होंने कहा, हां, मैंने ऐसा सोचा था। मैं हमेशा अपने फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूं। हालांकि, अब उन्होंने इस पर अंतिम निर्णय ले लिया है और अपने देश के लिए खेलना जारी रखने का संकल्प लिया है। इस 39 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी ने बताया कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय के बारे में देश के फुटबॉल संघ के अध्यक्ष और अपने पूर्व क्लब अल-नासर के कोच जॉर्ज जोसस



से विस्तार से बातचीत के बाद फैसला किया है। जोसस, जिन्होंने हाल ही में मई में अल-नासर को सऊदी लीग का प्रतिष्ठित खिताब दिलाया था और रोनाल्डो की क्षमताओं से भली-भांति परिचित हैं, ने भी इस चर्चा में भाग लिया। रोनाल्डो ने कहा, मुझे अब भी पूरा विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम की मदद कर सकता हूं और उसे उसके निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचा सकता हूं। मैं तब ही संन्यास लूंगा, जब मुझे यह महसूस होगा कि मैं टीम के लिए अब कुछ भी कर पाने में सक्षम नहीं हूं।

रंग संसार

नेहा ने पारस पर लगाए गंभीर आरोप



मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री नेहा वडोदिया इन दिनों एक्टर और पॉडकास्ट होस्ट पारस खन्ना को लेकर किए गए अपने एक पोस्ट के चलते सुर्खियों में हैं। दुनाली फेम नेहा ने पारस पर पैसों के लिए कथित तौर पर उनका गलत फायदा उठाने, झूठी ज्योतिषीय जानकारी देने और अनुचित तरीके से निजी संपर्क करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है। पोस्ट में नेहा ने पारस को तंज कसते हुए आबरा खन्ना भी कहा। हालांकि, इन आरोपों पर पारस खन्ना की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने आई है या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। नेहा ने 17 सितंबर को पारस की फोटो डालकर एक लंबा-चौड़ा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि पारस खुद को बड़ा ज्योतिषी बताता है और उसने उनके भविष्य को लेकर झूठा ज्ञान देने के लिए 101 रुपये लिए थे। नेहा ने आगे बताया कि बिग बॉस से निकलने के बाद जब वे मिले, तो पारस ने उनसे फोटो भेजने को कहा और गाना बनाने का वादा किया।



सूरज बड़जात्या के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास- शरवरी

मुंबई (यशभारत)।हाल ही में पारिवारिक ड्रामा फिल्म ये प्रेम मोल लिया के टाइटल ट्रैक लॉन्च इवेंट में, शरवरी ने बताया कि उन्होंने मशहूर गाने दीदी तेरा देवर दीवाना और मैया यशोदा देखते हुए ही अपनी बचपन गुजारा है। फिल्म निर्देशक सूरज बड़जात्या के साथ काम करने और राजश्री प्रोडक्शन की फिल्मों में गानों के पीछे की सोच को समझने के अनुभव को उन्होंने बेहद खास बताया। अभिनेत्री ने कहा कि वह इस अनुभव का हिस्सा बनकर खुद को बेहद आभारी और खुशकिस्मत महसूस कर रही हैं।

उन्होंने शूटिंग के दौरान सूरज बड़जात्या के साथ अपनी बातचीत का एक किस्सा भी साझा किया। शरवरी ने बताया, जब भी हम गानों की शूटिंग करते थे, तो सूरज सर मुझे मैया यशोदा और दीदी तेरा देवर दीवाना जैसे गानों की शूटिंग के समय की कहानियाँ सुनाते थे, और यह मेरा सबसे पसंदीदा समय हुआ करता था क्योंकि मैंने बचपन से ये सारे गाने देखे हैं। इन गानों के लिए दिल में बहुत प्यार है। उन्होंने आगे बताया कि सूरज

बड़जात्या ने उन्हें उन गानों से जुड़ी कुछ बिहाइंड-द-सीन्स डिटेल्स भी शेयर कीं, जिन्हें उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस में शामिल करने की कोशिश की। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि गानों पर काम करने से उन्हें राजश्री के फिल्ममेकिंग स्टाइल की एक अलग समझ मिली। शरवरी ने कहा, मुझे सच में लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि कोरियोग्राफी के अलावा, गानों में इतनी सारी चीजों का ध्यान रखना होता है, जैसे परिवार की भावनाएं, उनके साथ जो कनेक्शन बनता है, कहानी कैसे आगे बढ़ती है। मुझे लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि गाने कैसे फिल्म को आगे ले जाते हैं, कैसे वे कहानी को आगे ले जाते हैं और यह मेरे लिए बहुत खास अनुभव था। उनका यह अनुभव इस बात पर जोर देता है कि राजश्री की फिल्मों में सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि गहरी भावनात्मक और कथात्मक जड़ों से भी जुड़ी होती हैं। बता दें कि ये प्रेम मोल लियामें शरवरी वाघ के साथ आयुष्मान खुराना और अनुपम खेर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।



ईशा मालवीय का बॉलीवुड डेब्यू

मुंबई (यशभारत)। अभिनेता गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म तुम मेरे हो में पहली बार एक साथ नजर आएंगे। यह फिल्म ईशा मालवीय का बॉलीवुड डेब्यू भी है और यह 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने

फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया, जिसमें रोमांस, एक्शन और एडवेंचर से भरी एक जबरदस्त प्रेम कहानी की झलक मिलती है। पहले पोस्टर में गुरमीत और ईशा बादलों के बीच से गिरते हुए दिख रहे हैं, जिसके बैकग्राउंड में शहर का नजारा और डूबता सूरज है, और वे एक दूसरे को किस कर रहे हैं।



जेनिफर ने गोवा में रचाई दोबारा शादी

मुंबई (यशभारत)।टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस जेनिफर विंग्ट एक बार फिर अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और बिजनेसमैन विलियम इश्माएल के साथ गोवा में दोबारा शादी की है। इस खास मौके की तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें जेनिफर के परिवार और करीबी दोस्त भी उनके साथ नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, जेनिफर और विलियम ने मूल रूप से जुलाई 2026 में यूके में क्रिश्चियन रीति-रिवाजों से शादी की थी। हालांकि, उस समय उनके कई करीबी दोस्त और परिवार



के सदस्य इस समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे। इसी वजह से इस जोड़े ने अपने खास लोगों के साथ शादी का जश्न मनाने

और अपनी खुशियां बांटने के लिए गोवा में एक और समारोह आयोजित करने का फैसला किया।

‘पहला प्यार दूसरी बार’ चर्चा में

मुंबई (यशभारत)। नई स्टारकास्ट और यंग एनर्जी से भरपूर फिल्म ‘पहला प्यार दूसरी बार’ इन दिनों चर्चा में है। फिल्म के ट्रेलर के आने से पहले मेकर्स ने दर्शकों के लिए एक खास मजेदार वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में फिल्म से डेब्यू कर रहे नए कलाकारों की मुलाकात अनुभवी अभिनेता अनुभव बक्सी, गुरलीन पन्ना और देवेश दीक्षित से होती है। इसके बाद शुरू होता है सवाल-जवाब, मजाक और एक-दूसरे की टांग खिंचाई का सिलसिला। वीडियो में स्पर्श वालिया, अलीशा चोपड़ा, कुणाल वैद, साक्षी वैद्य, तुषार छिब्बर और सरगुन कौर लूथरा जैसे नए चेहरे अपनी फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर शुरुआत करने जा रहे हैं। अनुभव बक्सी, गुरलीन पन्ना और देवेश दीक्षित ने इन नए चेहरों से कई मजेदार और चुटीले सवाल किए। बातचीत के दौरान उनकी खिंचाई भी हुई और फिल्म के नाम को लेकर भी मजाक देखने को मिला।

